अब जबकि आप देख चुके है इस "बाइबिल के नक्शे" को और भविष्य की घटनाओं को, आपकी क्या नियति है।

अपने हृदय को ईमानदारी से जांचे, फिर सबसे सही उत्तर लिखिये।

1. क्या तुम विश्वास करते हो कि सबने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया है और उन्हें बचाये जाने की आवश्यकता है ? हां..... नहीं .....

2. क्या तुम शक करते हो ....., सोचते हो ..... या जानते हो ..... कि अभी तुम्हारे पास अनंत जीवन है और तुम स्वर्ग के रास्ते पर हो ?

3. उद्धार कमाने के लिये (पाप का दाम, स्वर्ग ले जाने के लिये) आप किस पर भरोसा कर रहे हैं ?

अ. मानवीय प्रयास	हां	नहीं
`अच्छा जीवन जीना`	.....	.....
`अच्छे कार्य`	.....	.....
`कलीसिया की सदस्यता`	.....	.....

ब. दूसरे प्रयास (स्पष्ट करें)

4. आपके उद्धार के लिये आपके भरोसे का कितना प्रतिशत है।

अ. मानवीय प्रयास ..... ब. दूसरे प्रयास .....

(उदाहरण – 50/50, 70/30, 100/0, आदि)

अब अपने जवाबों की तुलना निम्नलिखित वचनों से कीजिये।

1. अधिकतर लोग पहले प्रश्न का उत्तर "हाँ" में देते हैं। यह सही है क्योंकि परमेश्वर का वचन कहता है – इसीलिये कि सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित है। पाप की मजदूरी तो मृत्यु है (परमेश्वर से अलगाव अभी और सदा के लिये) (रोमि. 3:23, 6:23, इफि. 2:5, प्रका. 20:14, 21:8)।

किसने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया है और मृत्यु से बचाये जाने की जरूरत है ? कुछ लोगों को ..... अधिकतर लोगों को ..... या सबकों, अपने आपको भी .....।

2. अधिकतर लोग दूसरे प्रश्न का जवाब – "सोचते हैं" देते हैं परंतु यहां एक शुभ समाचार है ! परमेश्वर कहते है : मैंने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसीलिये लिखा है कि तुम जानों कि अनंत जीवन तुम्हारा है (1 यूह – 5:13)

क्या परमेश्वर चाहता है कि आप जानें कि अनंत जीवन आपका है ? हां..... नहीं .....

परमेश्वर ने क्या प्रदान किया है कि आप जान सकें ? आपकी भावनाएं..... या उसका लिखित वचन (बाईबिल) .....।

3. अधिकतर लोग तीसरे प्रश्न का जवाब "हाँ" देते है। वे उद्धार कमाने के लिये मानवीय प्रयासों पर भरोसा रख रहे हैं। परमेश्वर का वचन कहता है –

..... और हमारे धर्म के काम (उद्धार पाने के मानवीय प्रयास) सब के सब मैले चिथड़ों के समान हैं। (यशा 64:6)

क्या आप जानते है कि परमेश्वर उद्धार पाने के मानवीय प्रयासों, अच्छे कार्यों को मैले चिथड़ों जैसा क्यों देखता है ?

हां..... नहीं ..... यह इसीलिये है क्योंकि वचन करता है :

..... पवित्र शास्त्र के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया ..... और जी भी उठा। (1 कुरि 15:3,4)

अतः, जब हम उद्धार कमाने का प्रयास करते हैं, हम वास्तव में इंकार करते है मसीह की मौत का जिससे हमारे पाप और उद्धार का दाम चुका दिया गया है।

क्या हमें उसके द्वारा चुकाये दाम को नकार के खुद उद्धार कमाने का प्रयास करना चाहिये ? हां..... नहीं .....

देखते हैं कि परमेश्वर क्या कहता है हम कैसे बचाये जाते हैं – क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है, और न कर्मों के कारण (इफि. 2:8, 9)

परमेश्वर के अनुसार हम कैसे बचाए जाते हैं? अपने कार्यों के द्वारा ..... या विश्वास के द्वारा अनुग्रह से .....।

क्या आप एक दान के लिये कार्य कर सकते है ? हां..... नहीं .....।

परमेश्वर के उद्धार का दान हमें कैसे मिलता है ?

विश्वास से स्वीकार करें ..... या

अच्छे कार्यों के द्वारा कमाएं .....।

परमेश्वर की योजना में अच्छे कार्यों का क्या स्थान है ? अच्छे कार्य उद्धार के पीछे आने वाले या उसका परिणाम होना चाहिये (इफि. 2:10)। ये कार्य उद्धार के दान के लिये परमेश्वर को हमारा धन्यवाद होना चाहिये।

क्या मानवीय प्रयास उद्धार कमाने में सहायता कर सकते हैं ?

हां..... नहीं .....

आंशिक तौर पर .....।

4. अधिकतर लोग चौथे प्रश्न का उत्तर देते हैं कि वे उद्धार पाने के लिये सिर्फ (100%) यीशु मसीह पर भरोसा नहीं रखते। परमेश्वर के वचन पर कृपया ध्यान दें –

और वह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनंत जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है। जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन (अनंत) है, और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र (मसीह) नहीं, उसके पास जीवन (अनंत) भी नहीं है। (1 यूह. 5:11,12)।

अनंत जीवन पाने के लिये आपके भरोसे का कितना % आपको रखना चाहिये मानवीय प्रयासों पर ? ....., मसीह पर ? .....।

आइये अब देखते है कि आप मसीह यीशु में अनंत जीवन कैसे प्राप्त करें तथा उसे प्रमाण के साथ जानें :

जो पुत्र पर विश्वास (भरोसा, आधारित होना) करता है, अनंत जीवन उसका है। (तुरंत प्राप्ति), परंतु जो पुत्र को नहीं मानता, वह जीवन (अनंत) को नहीं देखेगा, परंतु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है। (यूह. 3:36)

आपको क्या मिलेगा अगर आप मसीह पर विश्वास करते हैं ?

(ऊपर उत्तर रेखांकित करें)

आपको क्या मिलेगा बिना मसीह के ?

(इसे भी रेखांकित करें)

अब मसीह के लिये आपकी प्रतिक्रिया क्या है ?

क्या आप समझते हैंकि प्रभु यीशु मसीह आपके पापों के लिए मरा और फिर जी उठा ? हाँ ..... नहीं .....

क्या इसी वक्त अपने उद्धार के लिए आप अपना संपूर्ण भरोसा (100%) प्रभु यीशु मसीह पर रखते हैं ? हाँ ..... नहीं .....

अभी आपके पास क्या है ? अनंत जीवन ..... या परमेश्वर का क्रोध ..... और ये आप कैसे जानते है (देखें यूह. 3:36) .....।

अब अपने उद्धार के लिये आप किस पर भरोसा रखते हैं ?

मानवीय प्रयाय ..... मसीह ..... या दोनों पर .....

क्या अब आप मसीह यीशु के द्वारा अपने उद्धार के लिये परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहेंगे ?

तिथि ..... हस्ताक्षर .....

Pastor. P. Stanley Johns

Ram Nagar, Bhilai (C.G.) 490 023
Mob. : 098261-75168
E-mail : pstanleyjohns01@yahoo.co.in
E-mail : ratna_jyothi2000@yahoo.com,
ratnajyothi_p@rediffmail.com

www.bbea.org

बाइबल का एक नक्शा

By Leon Bates

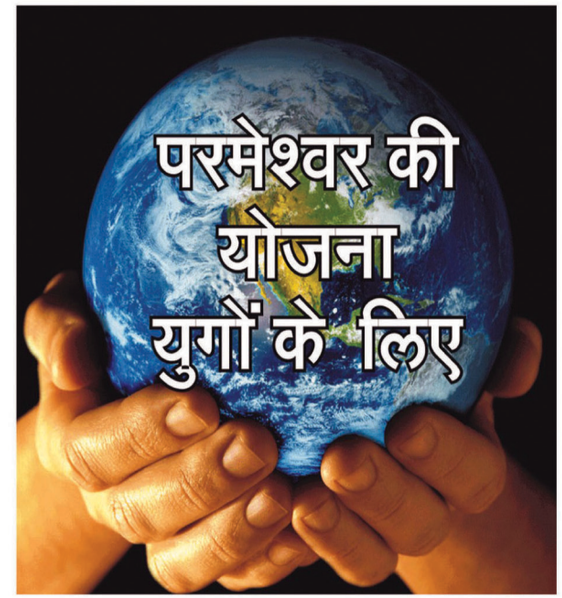

तथा : आपकी नियति पर कुछ प्रश्न